महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा (महाराष्ट्र)
शिक्षा और प्रदर्शनकारी कला (बी.एड. पाठ्यक्रम)

इकाई १, सेमेस्टर १ (२-क्रेडिट अथवा ३० घंटों की संपर्क कक्षा)
१५ घंटे सैद्धांतिक /१५ घंटे प्रायोगिक

१- प्रदर्शनकारी कलाएं एवं उनका संक्षिप्त इतिहास
२- शिक्षा के सन्दर्भ में प्रदर्शनकारी कलाओं का स्थान एवं महत्व
३- प्रायोगिक अभ्यास -गायन प्रवेश-स्वर अभ्यास / वाद्य प्रवेश- स्वर अभ्यास / नाट्य प्रवेश- विषय-विषय-पात्र अभ्यास
४- प्रायोगिक प्रदर्शन – गायन-स्वर प्रदर्शन / वाद्य-वादन प्रदर्शन / नाट्य -चाचन प्रदर्शन

इकाई २, सेमेस्टर २ (२-क्रेडिट अथवा ३० घंटों की संपर्क कक्षा)
१५ घंटे सैद्धांतिक /१५ घंटे प्रायोगिक

१- नृत्य,संगीत एवं नाट्य के प्रकार एवं परिचय
२- लोक संगीत के विभिन्न प्रकार
३- प्रागोगिक अभ्यास – पद गायन एवं लय अभ्यास/ वाद्यों में बंदिशे एवं लय / नाट्य में विभिन्न घटकों का प्रयोग, लोक संगीत के किसी एक प्रकार का समुचित अभ्यास
४- प्रागोगिक प्रदर्शन - पद गायन एवं लय प्रदर्शन / वाद्यों में बंदिशे एवं लय का प्रदर्शन / नाट्य में विभिन्न घटकों का प्रदर्शन, लोक संगीत/नाट्य के किसी एक प्रकार का समुचित प्रदर्शन

इकाई ३, सेमेस्टर ३ (२-क्रेडिट अथवा ३० घंटों की संपर्क कक्षा)
१५ घंटे सैद्धांतिक /१५ घंटे प्रायोगिक

१- ठाठ, राग शास्त्र का संक्षिप्त परिचय, गायन एवं वादन के विशेष सन्दर्भ में

२- नाट्य में स्वराभ्यास भाव के विशेष सन्दर्भ में

३- काकु प्रयोग नाट्य एवं गायन के विशेष सन्दर्भ में

४- विद्यालयी स्तर पर इनका प्रयोग शिक्षा के विशेष संदर्भ में

इकाई ४,सेमेस्टर ४ (२-क्रेडिट अथवा ३० घंटों की संपर्क कक्षा)

१५ घंटे सैद्धांतिक /१५ घंटे प्रायोगिक

१- भाव और रस

२- भारतीय शास्त्रीय संगीत में गायन के विविध प्रकार

३- उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय संगीत का संक्षिप्त परिचय

४- कक्षा अध्यापन में ललित कलाओं के प्रयोग के आधार पर एक प्रायोगिक एवं लिखित प्रोजेक्ट कार्य